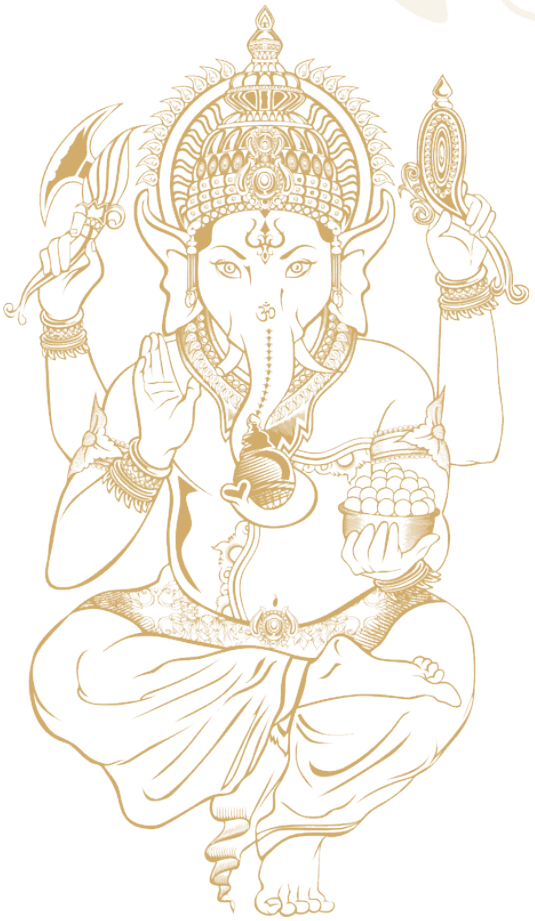

Mr.k

Ms.s

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119333602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/08/1998	जन्म तिथि	26-27/12/2003
सोमवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 16:15:00	जन्म समय	06:15:00 घंटे
घटी 25:59:32	जन्म समय(घटी)	57:37:33 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:51:11	सूर्योदय	07:11:58
18:59:44	सूर्यास्त	17:31:06
23:50:09	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:34

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 1वर्ष 2मा 14दि	15:55:24	धनु	लग्न	वृश्चि	26:58:01	मंगल 3वर्ष 5मा 5दि
गुरु	00:29:52	सिंह	सूर्य	धनु	10:55:05	गुरु
31/10/2017	04:22:11	मिथु	चंद्र	कुंभ	00:07:56	01/06/2025
31/10/2033	03:59:49	कर्क	मंगल	मीन	12:15:39	01/06/2041
गुरु 19/12/2019	24:32:16	कर्क व	बुध व	धनु	10:57:41	गुरु 20/07/2027
शनि 02/07/2022	02:45:33	मीन व	गुरु	सिंह	24:53:34	शनि 31/01/2030
बुध 07/10/2024	11:07:30	कर्क	शुक्र	मक	13:11:36	बुध 08/05/2032
केतु 12/09/2025	09:47:24	मेष व	शनि व	मिथु	16:15:08	केतु 14/04/2033
शुक्र 13/05/2028	07:39:05	सिंह व	राहु व	मेष	25:31:56	शुक्र 14/12/2035
सूर्य 02/03/2029	07:39:05	कुंभ व	केतु व	तुला	25:31:56	सूर्य 01/10/2036
चन्द्र 02/07/2030	16:22:24	मक व	हर्ष	कुंभ	05:57:30	चन्द्र 31/01/2038
मंगल 08/06/2031	06:17:39	मक व	नेप	मक	17:36:55	मंगल 07/01/2039
राहु 31/10/2033	11:27:38	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	26:24:18	राहु 01/06/2041

लग्न-चलित

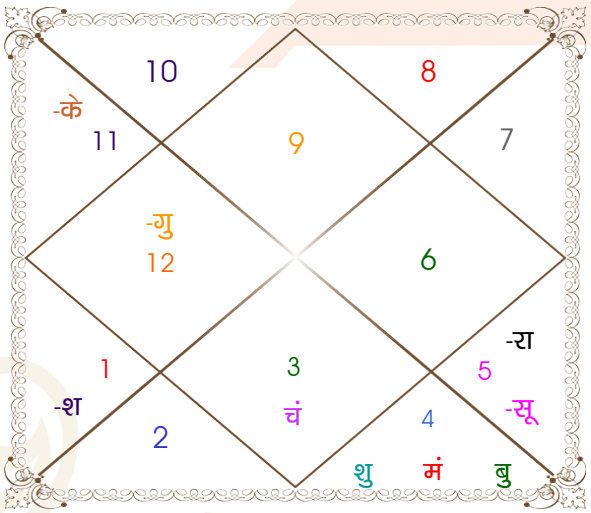

लग्न-चलित

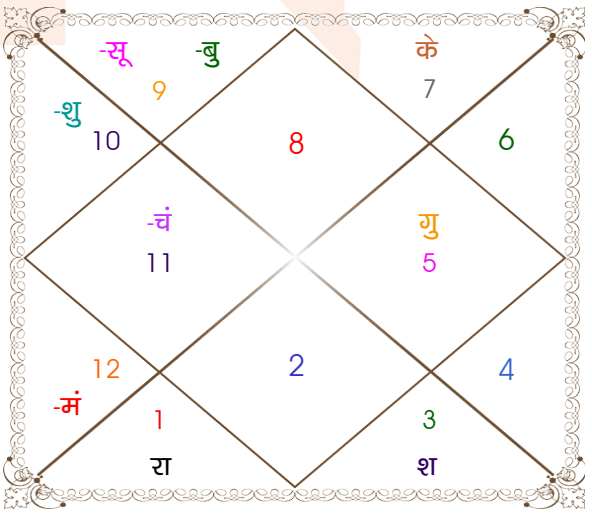

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डतण का नक्षत्र मृगशिरा है।

डतण का वर्ग मार्जार है तथा डेण का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण और डेण का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डेण कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेण कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण तथा डेण में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।